जी20 कृषि मंत्रियों की बैठक हैदराबाद

सुरेन्द्र सिंह [1] एवं संजीव कुमार सिंह [1]

जी20 कृषि मंत्री, समावेशी और टिकाऊ कृषि और खाद्य प्रणालियों के विकास के माध्यम से सभी के लिए खाद्य सुरक्षा और पोषण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए 16-17 जून 2023 को हैदराबाद, भारत में इकट्ठे हुए। बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए वैश्विक खाद्य उत्पादन में दीर्घकालिक वृद्धि की आवश्यकता हैं आज बिगड़ती वैश्विक खाद्य असुरक्षा की स्थिति और कई विकासशील और अल्प-विकसित देशों में कुपोषण की बढ़ती दरें गंभीर चिंता का विषय है। गरीबी, कोविड-19 महामारी, गहराते जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता हानि का संकट और दुनिया में चल रहे संघर्षों से अर्थव्यवस्था प्रभावित है। काला सागर अनाज पहल और रूस और संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के बीच समझौता ज्ञापन के सभी प्रासंगिक हितधारकों द्वारा पूर्ण, समय पर, बेहतर और निरंतर कार्यान्वयन के महत्व को देखा जा सकता है। जिसे 22 जुलाई 2022 को तुर्की और संयुक्त राष्ट्र द्वारा मध्यस्थ किया गया । और एक पैकेज, वैश्विक खाद्य असुरक्षा को कम करने और जरूरतमंद विकासशील देशों को अधिक भोजन और उर्वरकों के निर्बाध प्रवाह को सक्षम करने की दिशा में कार्य किया गया ।

टिकाऊ कृषि और खाद्य प्रणालियों की दिशा में परिवर्तन के अपने प्रयासों को मजबूत करके वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण को बढ़ाने के लिए , जो जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता हानि सहित संकटों के प्रति लचीले हैं, के लिए कदम उठाया गया है। खाद्य सुरक्षा और पोषण को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल देते हुए जी20 मटेरा और बाली नेताओं की घोषणाओं में उल्लिखित तात्कालिकता को पुनः पटल पर लाया गया। कमजोर देशों, विशेष रूप से

[1] भाकृअनुप.-राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो

शुद्ध खाद्य आयातक विकासशील देशों (एनएफआईडीसी) को इसे हासिल करने में मदद करने के लिए कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान संकट बहुआयामी हैं और इसलिए, सभी संकटों से निपटने के लिए "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" की भावना में सुसंगत और प्रभावी लघु, मध्यम और दीर्घकालिक प्रतिक्रियाओं के संयोजन बहुस्तरीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

कार्रवाई के आयाम

खाद्य सुरक्षा और पोषण

बैठक में ऊंची कीमतों, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में चल रहे व्यवधानों और भोजन और उर्वरकों की अत्यधिक कीमत में अस्थिरता पर चिंता व्यक्त की गई । सभी के लिए विशेष रूप से आपात स्थिति और मानवीय संकट के दौरान महिलाओं और लड़कियों सहित कमजोर परिस्थितियों में लोगों के लिए भोजन की उपलब्धता और सामर्थ्य को स्थिर करने के लिए लचीली, निर्बाध और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला आवश्यक है। प्रणालीगत समस्याओं , भू-राजनीतिक तनावों और संघर्षों के संदर्भ में, वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने और मजबूत खाद्य और उर्वरक आपूर्ति की सुविधा की तात्कालिकता को स्वीकारिता मिली ।

आज खाद्य सुरक्षा और पोषण में सुधार के लिए विविध, सुरक्षित और स्थायी रूप से उत्पादित पौष्टिक भोजन के महत्व पर जोर देने की जरूरत है। जलवायु-लचीला, पौष्टिक, स्थानीय रूप से अनुकूलित, स्वदेशी और कम उपयोग वाले अनाज सहित फसल विकास, उत्पादन और उपभोग पैटर्न में नवाचारों को बढ़ावा देने की पहल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि उत्पादकता को स्थायी तरीके से बढ़ाने के लिए अनुसंधान और विकास के महत्व पर जोर देते हुए, जलवायु-लचीला और पौष्टिक अनाज जैसे बाजरा, क्विनोआ, ज्वार और चावल, गेहूं और मक्का सहित अन्य पारंपरिक फसलों पर अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस संदर्भ में 2011 में G20 द्वारा समर्थित "गेहूं सुधार के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पहल (IRIWI)" के आधार पर, बाजरा और अन्य प्राचीन अनाजों पर अनुसंधान के लिए 12वीं G20 MACS अंतर्राष्ट्रीय पहल के शुभारंभ का स्वागत किया गया।

समग्र पोषक तत्व की पर्याप्तता प्राप्त करना सबसे पहले विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों की खपत पर आधारित होना चाहिए। बायोफोर्टिफिकेशन पोषण में सुधार का एक प्रभावी तरीका हो सकता है। इस संबंध में, हम फसलों के बायोफोर्टिफिकेशन पर अनुसंधान को प्रोत्साहित करते हैं। साक्ष्य आधार का निर्माण जारी रखने और जहां प्रासंगिक हो, किसानों को जैव-फोर्टिफाइड फसल किस्मों पर जानकारी प्रसारित करने और उपभोक्ताओं तक पहुंच में सुधार करने, खासकर कम आय वाले संदर्भों में कार्य किया जाना चाहिए।

सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी), विशेष रूप से एसडीजी2 शून्य-भूख और प्रगतिशील उत्पादकता की दिशा में 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन के लिए टिकाऊ कृषि और खाद्य उत्पादन, खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार महत्वपूर्ण हैं। हमें विकासशील देशों को स्थायी खाद्य

उत्पादन, भंडारण, विपणन और हानि में कमी के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने में सहयोग करना चाहिए। गरीबी में रहने वाले और खाद्य असुरक्षा का अनुभव करने वाले व्यक्तियों का अनुपात अभी भी महत्वपूर्ण है। खाद्य और नकदी-आधारित पोषण सुरक्षा जाल कार्यक्रम क्रय शक्ति बढ़ाने, अभाव से राहत देने और पोषण संबंधी स्थिति में सुधार करने में योगदान दे सकते हैं। खाद्य सुरक्षा और पोषण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए, जी20 देशों में एक दूसरे के साथ सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करने के लिए सहमति सराहनीय रही है।

कृषि बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा और पोषण के लिए समन्वित नीति प्रतिक्रियाओं का समर्थन करने के लिए कृषि बाजार सूचना प्रणाली (एएमआईएस) पहल और पृथ्वी अवलोकन वैश्विक कृषि निगरानी समूह (जीईओजीएलएएम) का महत्वपूर्ण योगदान है । खाद्य मूल्य अस्थिरता के नकारात्मक प्रभाव से बचने के लिए अधिक पारदर्शिता के लिए AMIS और GEOGLAM को मजबूत किया जा रहा है । उर्वरकों और वनस्पति तेलों को शामिल करने के लिए इसके आगे के विस्तार सहित एएमआईएस के काम का सहयोग और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों के साथ घनिष्ठ सहयोग स्थापित करने का आह्वान किया गया है। आवश्यक डेटा और संसाधन प्रदान करने के साथ-साथ दाता आधार को व्यापक बनाकर एएमआईएस को सक्रिय किया जाना बेहतर कदम है।

जलवायु स्मार्ट दृष्टिकोण के साथ टिकाऊ कृषि

कृषि के लिए प्रमुख चुनौतियों में खाद्य सुरक्षा और पोषण को आगे बढ़ाने के लिए कृषि उत्पादन बढ़ाना, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, जैव विविधता हानि और मिट्टी के क्षरण में इसके योगदान को कम करना शामिल है। इसके लिए एक-दूसरे के प्रयासों को पूरक और समर्थन करते हुए प्रत्येक देश के लिए अनुकूलित मार्गों के माध्यम से लचीली और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की दिशा में परिवर्तन की आवश्यकता है। इन चुनौतियों का जवाब देने के लिए, क्षेत्रीय, देश और स्थानीय संदर्भों में अच्छी कृषि पद्धतियों, विज्ञान और साक्ष्य-आधारित नवीन समाधानों का उपयोग, अनुकूलन और संचालन किया जाना चाहिए। हम जलवायु-लचीली प्रौद्योगिकियों, प्रकृति-आधारित समाधान और पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित दृष्टिकोण जैसे क्षेत्रों में सहयोग करने और टिकाऊ कृषि के लिए मौजूदा पारंपरिक और स्थानीय ज्ञान के बेहतर प्रसार को बढ़ावा देने का संकल्प बैठक में लिया गया।

मनुष्यों, घरेलू और जंगली जानवरों, पौधों और व्यापक पर्यावरण (पारिस्थितिकी तंत्र सहित) का स्वास्थ्य निकटता से जुड़ा हुआ है और एक दूसरे पर निर्भर है। लोगों, जानवरों, पौधों और पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य को एक साथ संतुलित और अनुकूलित करने के लिए एक एकीकृत और बहु-क्षेत्रीय "वन हेल्थ" दृष्टिकोण की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।

टिकाऊ, विविध और अनुकूल कृषि तथा खाद्य प्रणालियाँ भूख और कुपोषण से निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान प्रदान करते हुए जलवायु परिवर्तन, भूमि क्षरण, जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन, जैव विविधता और वन हानि को संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं। बैठक के

दौरान कुनमिंग मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क के अनुसार जैव विविधता के नुकसान को रोकने और इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्धता प्रकट की गई। टिकाऊ पोषक तत्व और मिट्टी प्रबंधन के संकल्प को दोहराया गया क्योंकि स्वस्थ मिट्टी खाद्य उत्पादन की कुंजी है और लगातार और चरम मौसम की घटनाओं के प्रभावों के प्रति अधिक अनुकूल होती है। स्थानीय पोषक चक्र और उर्वरकों के कुशल उपयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता है । नवाचार को बढ़ावा देने और जिम्मेदार निवेश को प्रोत्साहित करने, सभी स्रोतों से वित्त जुटाने, टिकाऊ प्रथाओं के लिए डब्ल्यूटीओ दायित्वों के अनुरूप किसानों को उचित रूप से प्रोत्साहित करने के लिए नीतियों का सहयोग करके जलवायु-अनुकूल, टिकाऊ कृषि और खाद्य प्रणालियों की दिशा में परिवर्तन के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए कृषि में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन के महत्व पर जोर दिया जा रहा है और जलवायु अनुकूलन के लिए सभी के सामूहिक प्रयासों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। यूएनईपी अनुकूलन अंतर रिपोर्ट 2022 और अनुकूलन अंतराल को कम करने के लिए वित्त और कार्यान्वयन प्रयासों को बढ़ाया जा रहा है। जी20 की नेतृत्वकारी भूमिका को ध्यान में रखते हुए, पेरिस समझौते और उसके तापमान लक्ष्य के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन को मजबूत करके, समानता और सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं के सिद्धांत को दर्शाते हुए जलवायु परिवर्तन की दृढ़ प्रतिबद्धताओं को पुनः पटल पर लाया गया।

समावेशी कृषि मूल्य श्रृंखलाएँ और खाद्य प्रणालियाँ

इस बात पर जोर दी जाती रही है कि जो नीतियां लचीली और टिकाऊ कृषि, खाद्य प्रणालियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देती हैं, उनमें समावेशी कल्याण और सतत विकास को बढ़ावा देने की भारी क्षमता होती है, जिससे विभिन्न प्रकार के पौष्टिक भोजन प्रदान करके, पोषण और स्वास्थ्य में सुधार करके, अच्छी नौकरियां पैदा करके खाद्य सुरक्षा प्राप्त की जा सकती है। भोजन, कृषि इनपुट और उत्पादों तक किफायती पहुंच का समर्थन करने के लिए टिकाऊ और लचीली खाद्य प्रणालियों के निर्माण, स्थानीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं में विविधता लाने और उन्हें मजबूत करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया जा रहा है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के साथ एक नियम-आधारित, खुले, पूर्वानुमेय, पारदर्शी, गैर-भेदभावपूर्ण, समावेशी, न्यायसंगत और टिकाऊ बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि बाजार की भविष्यवाणी को बढ़ाया जा सके, व्यापार आत्मविश्वास बढ़ाया जा सके और कृषि-खाद्य व्यापार को प्रवाहित करने की अनुमति दें ताकि खाद्य सुरक्षा और पोषण में योगदान दिया जा सके। आपूर्ति की समस्या के कारण होने वाली मूल्य अस्थिरता को कम करने और उपभोक्ताओं को अधिक

विकल्प देने में मदद करने के लिए ऐसी प्रणाली की आवश्यकता है। 12वें डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी12) में प्राप्त प्रगति के महत्व और एमसी12 "खाद्य असुरक्षा के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया पर घोषणा" के तहत लिए गए संकल्पों को दोहराया गया जो व्यापार को सुविधाजनक बनाने और कामकाज में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर देता है। खाद्य और कृषि के लिए वैश्विक बाजारों का दीर्घकालिक अनुकूलन, और अन्य बातों के अलावा, प्रासंगिक डब्ल्यूटीओ प्रावधानों के साथ असंगत तरीके से निर्यात निषेध या प्रतिबंध नहीं लगाने के महत्व को रेखांकित करता है। डब्ल्यूटीओ मंत्रियों के फैसले को भी याद करने योग्य है जो स्थापित करता है कि सदस्य विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) द्वारा गैर-व्यावसायिक मानवीय उद्देश्यों के लिए खरीदे गए खाद्य पदार्थों पर निर्यात प्रतिबंध या प्रतिबंध नहीं लगाएंगे। एसपीएस समझौते के अनुप्रयोग में उभरती चुनौतियों का समाधान करने के लिए एमसी12 "आधुनिक एसपीएस चुनौतियों का जवाब देने पर स्वच्छता और पादप स्वच्छता घोषणा" महत्वपूर्ण रही है। इसमें डब्ल्यूटीओ की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया जा रहा है और कृषि व्यापार नियमों में सुधार प्रक्रिया जारी है।

आज SDG12.3 को प्राप्त करने के लिए, सभी भोजन की हानि और बर्बादी में कमी को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। खाद्य उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा महत्वपूर्ण आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों के साथ खो जाता है जो विशेष रूप से कमजोर समूहों की आजीविका, खाद्य सुरक्षा और पोषण को प्रभावित करता है। उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखलाओं में भोजन की हानि और बर्बादी को कम करने के लिए, हितधारकों (किसानों, सरकारों, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज, शिक्षाविदों और विकास भागीदारों) के बीच सहयोग को प्रोत्साहित और प्रशिक्षण, वित्त तक पहुंच बढ़ाने और बाजार संबंधों में सुधार के माध्यम से छोटे किसानों का सहयोग किया जाएगा। खाद्य हानि और अपशिष्ट को मापने और कम करने पर तकनीकी मंच (टीपीएफएलडब्ल्यू) और एमएसीएस-जी20 में शुरू की गई सहयोग पहल एफएलडब्ल्यू द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की जानी चाहिए और साथ ही अनुकूलित उपयोग के माध्यम से मूल्य श्रृंखला में खाद्य हानि और अपशिष्ट को कम करने के लिए प्रयास होना चाहिए। सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए, कार्रवाई कार्यक्रमों को मजबूत करने और 29 सितंबर 2023 को मनाए जाने वाले खाद्य हानि और अपशिष्ट जागरूकता के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को लचीला और टिकाऊ बनाने में छोटे किसानों, पारिवारिक किसानों, महिलाओं, युवाओं, स्वदेशी लोगों और अन्य कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों और छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन समूहों को कृषि और खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं में सशक्त बनाने और एकीकृत करने के लिए समावेशी और विविध दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जाएगा, और लैंगिक असमानताओं को संबोधित करेंगे और किसान संगठनों, कृषि-आधारित

महिला स्वयं सहायता समूहों को बनाने और मजबूत करने और उनकी भागीदारी जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवा उद्यमियों के रूप में बेहतर अर्थव्यवस्थाएं प्राप्त होंगी। सदस्य देशों द्वारा सूचना प्रसार को बढ़ावा देने, नवाचारों को बढ़ावा देने और उत्पादन और उत्पादकता को स्थायी रूप से बढ़ाने के लिए नई प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं को अपनाने के लिए उनकी क्षमता विकास, प्रशिक्षण और विस्तार सेवाओं का सहयोग किया जाएगा। कृषि और खाद्य प्रणालियों में कार्रवाई, जुड़ाव, नीति और निर्णय लेने के सभी स्तरों पर उनकी पूर्ण, समान और सार्थक भागीदारी और नेतृत्व के लिए प्रतिबद्धता भी प्रकट की गई। इस संदर्भ में समावेशी बहुहितधारक संवाद के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में विश्व खाद्य सुरक्षा समिति (सीएफएस) की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कृषि परिवर्तन के लिए डिजिटलीकरण

उपयुक्त डिजिटल बुनियादी ढांचे द्वारा समर्थित कृषि में डिजिटलीकरण में इस क्षेत्र को बदलने और सरकारों और अन्य हितधारकों को वर्तमान खाद्य, पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का समाधान करने में मदद करने की क्षमता है। इस क्षेत्र में सभी हितधारकों के लिए ब्रॉडबैंड इंटरनेट एक्सेस, डिजिटल अधिकारों और डेटा एक्सेस, उपयोग और गोपनीयता के नियमों के महत्व पर जोर दिया जा रहा है। कृषि में डिजिटल समाधानों की सार्वभौमिक पहुंच और सामर्थ्य की दिशा में, हम सभी हितधारकों के साथ सहयोग करने और क्षमता निर्माण प्रयासों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें डिजिटल उपकरण और प्रौद्योगिकी का प्रसार और किसानों, विशेष रूप से सीमांत, छोटे धारकों, पारिवारिक किसानों द्वारा इसे अपनाने को बढ़ावा देना शामिल है।

कृषि और खाद्य प्रणालियों में डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग के लिए अनुभवों और अंतर्दृष्टि के आदान-प्रदान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया जा रहा है। उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके कृषि में नवाचारों को चलाने में मदद करने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे के पर्याप्त सार्वजनिक और निजी वित्तपोषण की आवश्यकता महसूस की जा रही है। विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और अन्य कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों द्वारा कृषि और कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं में उद्यमशीलता को सक्षम करने पर जोर देने के साथ स्टार्ट-अप, इनक्यूबेटर और एक्सेलेरेटर में जिम्मेदार निवेश बढ़ाना जरूरी है।

खाद्य सुरक्षा और पोषण पर डेक्कन उच्च स्तरीय सिद्धांत 2023

G20 कृषि और वित्त मंत्रियों के अनुरोध पर खाद्य और कृषि संगठन (FAO), विश्व बैंक समूह (WBG), और विश्व व्यापार संगठन (WTO) द्वारा तैयार की गई मैपिंग अभ्यास रिपोर्ट के निष्कर्षों और सिफारिशों पर ध्यान आकर्षित किया गया है। वैश्विक खाद्य असुरक्षा को संबोधित करने के प्रयासों का मार्गदर्शन करने के लिए खाद्य सुरक्षा और पोषण के मार्ग में चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। जी20 कृषि मंत्री, खाद्य सुरक्षा

और पोषण 2023 पर संलग्न डेक्कन उच्च स्तरीय सिद्धांत जो हमारी साझा प्रतिबद्धताओं को मूर्त रूप देते हैं, के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देते हुए वैश्विक भूख और कुपोषण को कम करने के लिए समन्वय और एकजुट दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जाएगा।

G20 के ठोस डिलिवरेबल्स के लिए भारत की पहल की सराहना की गई जिसमें - खाद्य सुरक्षा और पोषण पर डेक्कन उच्च स्तरीय सिद्धांत 2023 और बाजरा और अन्य प्राचीन अनाजों पर अनुसंधान के लिए 12वीं G20 MACS अंतर्राष्ट्रीय पहल, जिसका उद्देश्य वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण को बढ़ाना है। समावेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे को कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन और किसान केंद्रित सार्वजनिक और निजी डिजिटल नवाचारों के लिए उत्प्रेरक बनाने पर ध्यान केंद्रित किए जाने के लिए कदम बढ़ाए गए हैं। G20 सदस्यों की भागीदारी के परिणाम इस प्रकार हैं : (i) कृषि पर G20 पहलों का जायजा लेना; (ii) खाद्य सुरक्षा के लिए जलवायु स्मार्ट कृषि पर वैश्विक मंच; (iii) एएमआईएस की रैपिड रिस्पांस फोरम की बैठक; (iv) कृषि मुख्य वैज्ञानिकों (एमएसीएस) की 12वीं जी20 बैठक; (v) "लाभ, लोगों और ग्रह के लिए कृषि व्यवसाय का प्रबंधन" पर पैनल चर्चा; और (vi) "डिजिटली डिस्कनेक्टेड लोगों को जोड़ना: कृषि में डिजिटल प्रौद्योगिकियों की शक्ति का उपयोग करना" पर पैनल चर्चा। यहाँ G20 की भारत की अध्यक्षता और 2023 में कृषि एजेंडे को आगे बढ़ाने में इसके नेतृत्व की सराहना की गई।

कृषि में जी20 की पहल

इंदौर, में 13 फरवरी 2023 को आयोजित पहली कृषि प्रतिनिधियों की बैठक के दौरान जी20 कृषि मंत्रियों द्वारा शुरू की गई छह प्रयासों का जायजा लिया गया। इन प्रयासों के पदाधिकारियों ने 2021 से हुई प्रगति को प्रस्तुत किया, जिसका सारांश नीचे दिया गया है:

1. कृषि विपणन सूचना प्रणाली (एएमआईएस)

i. एएमआईएस कोविड-19 के दौरान दुनिया भर के खाद्य बाजारों पर महामारी के प्रभाव का मूल्यांकन करने में अग्रणी था। सचिवालय की पुष्टि कि वैश्विक खाद्य आपूर्ति पर्याप्त थी और थोक खाद्य वस्तु व्यापार की सुचारू कार्यप्रणाली को कई हितधारकों द्वारा वैश्विक खाद्य बाजारों को स्थिर करने में उनकी भूमिका के लिए मान्यता दी गई है। इसके अतिरिक्त, बाजार पर्यवेक्षकों ने नोट किया है कि निर्यात प्रतिबंध जैसे व्यापार उपायों को लागू करना पिछले संकटों की तुलना में तुलनात्मक रूप से सीमित और कम अवधि का था।

ii. यूक्रेन में संघर्ष के फैलने से, वैश्विक खाद्य बाजारों और खाद्य सुरक्षा के लिए इसके निहितार्थ पर चर्चा करने के लिए 5 मार्च 2022 को एएमआईएस रैपिड रिस्पांस फोरम का एक असाधारण सत्र आयोजित किया गया। एएमआईएस के बनने के बाद यह पहला ऐसा आपातकालीन सत्र था। बैठक ने प्रमुख संदेशों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें संघर्षों के दौरान खाद्य और उर्वरक बाजारों में

सुरक्षात्मक उपायों की आवश्यकता और खुले वैश्विक खाद्य व्यापार को बनाए रखने का महत्व शामिल है। इन संदेशों को एएमआईएस मेक्सिको और संयुक्त) के निवर्तमान और आने वाले अध्यक्षों (राज्य अमेरिका द्वारा एक संयुक्त बयान में दोहराया गया, जिसे पहले के सभी पिछले अध्यक्षों से समर्थन प्राप्त हुआ।

iii. भविष्य के संकटों के प्रति एएमआईएस की प्रतिक्रिया को बढ़ाने के लिए, गतिविधियों में संभावित विस्तार के संबंध में हितधारकों के साथ उपयोगी चर्चाएं की गईं। इनमें उर्वरक और वनस्पति तेल बाजारों का कवरेज बढ़ाना, प्रारंभिक चेतावनी संकेतक विकसित करना और खाद्य संकट के लिए तीव्र विश्लेषणात्मक प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करना शामिल है।

iv. वर्ष 2022 में, एएमआईएस सचिवालय ने उर्वरक बाजारों की बेहतर निगरानी शुरू करने और ज्ञान अंतराल की पहचान करते हुए उपलब्ध जानकारी का आकलन करने के लिए प्रतिभागियों से बैलेंस शीट एकत्र करना शुरू किया।

2. पृथ्वी अवलोकन पर समूह वैश्विक कृषि निगरानी पहल (GEOGLAM)

i. GEOGLAM क्रॉप मॉनिटर विकसित करने के लिए AMIS के साथ मिलकर काम करता है, जो AMIS देशों में प्रमुख कमोडिटी फसलों के लिए फसल की स्थिति का मासिक उपग्रह-आधारित सर्वसम्मति मूल्यांकन प्रदान करने पर है। यह मूल्यांकन बाज़ार और व्यापार संबंधी अंतर्दृष्टि प्रदान करने का कार्य करता है।

ii. मानवीय समुदाय के सहयोग से, GEOGLAM प्रारंभिक चेतावनी के लिए फसल मॉनिटर का विकास और सुधार करता है, जो खाद्य असुरक्षित देशों में खाद्य सुरक्षा फसलों के लिए फसल की स्थिति का मासिक उपग्रहसर्वसम्मति आधारित-मूल्यांकन प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, GEOGLAM ने खाद्य आपात स्थितियों और संभावनाओं पर विशेष रिपोर्ट तैयार की है।

iii. फसल मूल्यांकन के लिए संयुक्त प्रयोगों (JECAM) का समर्थन करने के लिए GEOGLAM की एक R&D शाखा की स्थापना की गई है, जो दुनिया भर में 40 से अधिक डेटा-समृद्ध साइटों पर अंतर-तुलना अनुसंधान कर रही है। उनका लक्ष्य विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण में सामंजस्य स्थापित करना, निगरानी और रिपोर्टिंग प्रोटोकॉल विकसित करना और वैश्विक कृषि प्रणालियों के लिए सर्वोत्तम अभ्यास स्थापित करना है।

iv. कोविड महामारी के दौरान, GEOGLAM ने कृषि भूमि वितरण का एक विस्तृत नक्शा प्रदान करके टोगो सरकार की सहायता की, जिसका उपयोग प्रभावित छोटे किसानों के लिए राहत कार्यक्रमों को लागू करने के लिए किया गया।

v. इसके अतिरिक्त, GEOGLAM ने यूक्रेन की कृषि का समर्थन करने के लिए सार्वजनिक और निजी संस्थानों के साथ सहयोग करते हुए एक तदर्थ कार्य समूह का गठन किया। प्राथमिक उद्देश्य सर्वसम्मत

विश्लेषणात्मक उत्पादों का समन्वय और टकराव कम करना और जहां आवश्यक हो, यूक्रेन के कृषि मंत्रालय के मतभेद समझाना है। इसके अलावा, यह प्रशिक्षण और सत्यापन प्रदान करने के लिए किसानों के डेटा तक पहुंचने के लिए निजी क्षेत्र के संघ के साथ भी सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

3. गेहूं की पहल

i. गेहूं पहल को जर्मन खाद्य और कृषि मंत्रालय से समर्थन मिला, साथ ही 2027 तक जेकेआई से नए सिरे से समर्थन मिला। उन्होंने एक नया रणनीतिक अनुसंधान एजेंडा भी प्रकाशित किया। (एसआरए) गर्मी और सूखे के लिए गेहूं अनुकूलन गठबंधन ने यूके (एएचईएडी), स्विट्जरलैंड, मिस्र, फ्रांस, मोरक्को, अमेरिका और कनाडा से नए सदस्यों का स्वागत किया।

ii. 2021 में, व्हीट इनिशिएटिव ने व्हीट VIVO लॉन्च किया, जो एक ओपन एक्सेस वेब पोर्टल है जो गेहूं शोधकर्ताओं, संगठनों और परियोजनाओं पर जानकारी प्रदान करता है। उन्होंने 2022 में गेहूं पहल फसल स्वास्थ्य गठबंधन भी लॉन्च किया (ए-वॉच), जिसका लक्ष्य वैश्विक रोग निदान और निगरानी के लिए मानकीकृत तरीके विकसित करना है।

iii. इसके अतिरिक्त, व्हीट इनिशिएटिव ने चीन में हाइब्रिड मॉडल का उपयोग करके दूसरी अंतर्राष्ट्रीय गेहूं कांग्रेस आयोजित (आईडब्ल्यूसी) की और जीनोमिक्स डेटा तक पहुंच बढ़ाने के टआईएस पोर्टल को अपडेट किया।लिए व्ही

4. उष्णकटिबंधीय कृषि मंच (टीएपी)

i. टीएपी ने अल साल्वाडोर (फरवरी 2021) में कृषि नवाचार प्रणालियों के लिए क्षमता विकास (सीडीएआईएस) पहल को सफलतापूर्वक पूरा किया, चार क्षेत्रों - कॉफी, बीन्स, टमाटर और केला में कृषि नवाचार का समर्थन किया। यूरोपीय संघ द्वारा वित्त पोषित टीएपी-एआईएस परियोजना ने नौ में से सात देशों (बुर्किना फासो, कोलंबिया, इरिट्रिया, मलावी, पाकिस्तान, रवांडा और सेनेगल) में अपनी गतिविधियां जारी रखीं, जो 2022 में कंबोडिया और लाओ पीडीआर में समाप्त होंगी।

ii. अफ्रीका, एशिया और लेटिन अमेरिका में क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान और विस्तार संगठनों (आरआरईओ) ने इन क्षेत्रों में कृषि नवाचार प्रणालियों (एआईएस) को मजबूत करने के लिए तेजी से मूल्यांकन पर सहयोग किया। उनके निष्कर्षों को अगस्त 2021 में प्रकाशित एक संश्लेषण रिपोर्ट में समेकित किया गया और वेबिनार और प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से साझा किया गया।

iii. टीएपी सामान्य ढांचे और दृष्टिकोण के आधार पर कृषि नवाचार प्रणालियों को मजबूत करने पर प्रशिक्षकों (टीओटी) का आभासी प्रशिक्षण अक्टूबर 2021 और जून 2022 में हुआ, जिसमें आरआरईओ के 78 विशेषज्ञों ने भाग लिया। साझेदार संगठनों (IICA और RELASER) ने लैटिन अमेरिका में कृषि नवाचार के लिए क्षमता निर्माण पर एक परिचालन मार्गदर्शिका विकसित की, जो स्पेनिश में उपलब्ध है।

iv. टीएपी ने जुलाई 2021 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य प्रणाली शिखर सम्मेलन (यूएनएफएसएस) के विज्ञान दिवस के दौरान एक साइड इवेंट का आयोजन किया, जिसमें कृषि नवाचार प्रणालियों के लिए क्षमता विकास और सीखे गए सबक और टीएपी साझेदारी के भविष्य के कार्यों को साझा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

5. कृषि जोखिम प्रबंधन के लिए मंच (PARM)

i. इंसु- रेसिलिएस ग्लोबल पार्टनरशिप क्लाइमेट रिस्क फाइनेंसिंग और आईएफएडी की बीमा सुविधा (बीमाकृत) के प्रबंधन में वैश्विक भागीदारी स्थापित की गई है, जिसे SIDA द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। बुर्किना फासो में, भागीदारी दृष्टिकोण का उपयोग करके एक व्यापक और समावेशी समग्र जोखिम मूल्यांकन अध्ययन (आरएएस) आयोजित किया गया था। इसी तरह, मेडागास्कर में, एक आरएएस चल रहा है, जो एक समग्र मूल्य श्रृंखला पद्धति को नियोजित कर रहा है|

ii. कृषि जोखिम प्रबंधन (एआरएम) में जागरूकता बढ़ाने और क्षमता निर्माण के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं, जिसमें 300 से अधिक राष्ट्रीय हितधारकों ने कार्यशालाओं में भाग लिया, 600 से अधिक व्यक्तियों ने एआरएम पर प्रशिक्षण लिया, और 2,100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सक वेबिनार (एफएआरएम-डी समुदाय) के माध्यम से जुड़े। फेसबुक, ट्विटर, लिंक्डइन और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 15,000 से अधिक फॉलोअर्स हो गए हैं।

iii. ARM की निवेश परियोजनाओं और कार्यक्रमों को PARM के तकनीकी नेतृत्व और सहयोग द्वारा सरकारों और रणनीतिक साझेदारों द्वारा सह-डिज़ाइन किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप इथियोपिया ($12M), बुर्किना फासो ($48.5M), सेनेगल ($48.3M), और नाइजर ($61 मिलियन) में निवेश हुआ है।

iv. एआरएम क्षमता विकास के निरंतर प्रभाव के लक्ष्य के लिए सेनेगल और बुर्किना फासो में एआरएम को विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम और निजी क्षेत्र की प्रथाओं पर पायलट पहल शुरू की गई है। PARM और सरकारें निवेश परियोजनाओं/कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और ARM के संस्थागतकरण के पायलट परीक्षणों का समर्थन करने के उद्देश्य से संसाधन जुटाने के लिए संयुक्त प्रयास कर रही है।

6. खाद्य हानि और अपशिष्ट के मापन और कमी पर तकनीकी मंच (टीपीएफएलडब्ल्यू)

i. टीपीएफएलडब्ल्यू ने 12% की वृद्धि और विभिन्न देशों के व्यापक उपयोगकर्ता आधार के साथ लौटने वाले उपयोगकर्ताओं में प्रभावशाली वृद्धि देखी, जो 2021 में 100 देशों से बढ़कर 2022 के अंत तक 210 हो गई। जी20 देश मंच के प्रमुख उपयोगकर्ताओं के रूप में सामने आते हैं।

ii. टीपीएफएलडब्ल्यू ने खाद्य हानि और अपशिष्ट (एफएलडब्ल्यू) पर वैश्विक जागरूकता कार्यक्रमों के

माध्यम से प्रभावी ढंग से वेब ट्रैफ़िक उत्पन्न किया, जिसके परिणामस्वरूप वेबसाइट विज़िट में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। विशेष रूप से, खाद्य हानि और अपशिष्ट के बारे में अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता दिवस के प्रचार के साथ 2021 और 2022 दोनों के सितंबर में वेब ट्रैफ़िक में वृद्धि हुई। इसके अलावा नवंबर 2022 में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी 27) के दौरान वेब ट्रैफ़िक में वृद्धि हुई थी, यह पहली बार था कि चर्चा में एफएलडब्ल्यू और जलवायु परिवर्तन के बीच संबंध पर प्रकाश डाला गया था।

कृषि मंत्रियों की बैठक में जी20 देश

इस बात से हम अवगत हैं कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा की स्थिति, और जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक तनाव और संघर्षों और अन्य प्रणालीगत झटकों से बढ़े कुपोषण के सभी रूपों की स्थिति एक सामूहिक चुनौती है, जिसके लिए 2030 एजेंडा के तहत शून्य भूख (एसडीजी2) हासिल करने के लिए ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है। प्रमुख कृषि उत्पादकों, उपभोक्ताओं और निर्यातकों के रूप में जी20 सदस्यों की अनूठी भूमिका और पारदर्शी, टिकाऊ, न्यायसंगत और समावेशी कृषि की दिशा में परिवर्तन में तेजी लाने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक नीति प्रतिक्रियाओं का निर्माण करने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का संज्ञान लेने कि आवश्यकता है। इस दौरान खाद्य सुरक्षा और पोषण को बढ़ाने और वर्तमान और पिछले जी20 कृषि मंत्रियों की बैठकों के सहमत परिणामों को आगे बढ़ाने के वैश्विक प्रयासों को स्वीकार किया गया और उस पर अपनी प्रतिबद्धता भी प्रकट की गई। उनके शब्दों में "इन उच्च स्तरीय सिद्धांतों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो वैश्विक खाद्य सुरक्षा संकटों के संदर्भ

में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में प्रयासों को मजबूत करने और पूरक करने में हमारी जिम्मेदारी को प्रदर्शित करते हैं।

सिद्धांत 1: कमजोर स्थितियों में देशों तथा आबादी को मानवीय सहायता की सुविधा प्रदान करना

संकटों और संघर्षों के समय में मानवीय खाद्य सहायता के स्तर और दक्षता को बढ़ाने के प्रयासों को सक्रिय रूप से समन्वयित करने सहित बहुक्षेत्रीय मानवीय सहायता बढ़ाया जाना। कमजोर स्थितियों में आबादी के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए नीति सहयोग के माध्यम से नवीन रणनीतियों और मुख्यधारा की प्रत्याशित कार्रवाई का विकास करना ।

सिद्धांत 2: पौष्टिक भोजन की उपलब्धता और पहुंच बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा जाल को मजबूत करना

खाद्य पदार्थों के सतत उत्पादन को लक्षित करने वाली नीतियों और कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना, जिसमें शुद्ध खाद्य आयातक विकासशील देशों का समर्थन करना भी शामिल है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में पर्याप्त भोजन के अधिकार की प्रगतिशील प्राप्ति को बढ़ावा देना, सुरक्षित, किफायती, विविध और पौष्टिक भोजन की लगातार पहुंच और उपलब्धता में सुधार करना। प्रभावी नीति, कार्यक्रम डिजाइन और कार्यान्वयन की आवश्यकता वाले देशों के साथ सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करते हुए लक्षित भोजन और नकदी-आधारित सुरक्षा जाल कार्यक्रमों को बढ़ावा देना।

सिद्धांत 3: जलवायु-अनुकूल और टिकाऊ कृषि और खाद्य प्रणालियों के लिए नीतियों और सहयोगात्मक कार्रवाइयों को मजबूत करना

स्थायी कृषि उत्पादन और उत्पादकता वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक संसाधनों और कृषि इनपुट के स्थायी प्रबंधन और कुशल उपयोग के लिए नीतियों को मजबूत करना और सहयोग में तेजी लाना। जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता हानि को संबोधित करने के लिए टिकाऊ, स्केलेबल तथा समावेशी प्रौद्योगिकियों, और नवाचारों को विकसित करने पर सहयोग करना।

सिद्धांत 4: कृषि और खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं में लचीलापन और समावेशिता को मजबूत करना

बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, खाद्य हानि और बर्बादी को कम करने, जोखिम प्रबंधन नीतियों को विकसित करने और लागू करने और विशेष रूप से मूल्य श्रृंखलाओं के साथ हितधारकों की क्षमता में सुधार करके अल्पकालिक व्यवधानों और समस्याओं का सामना करने के लिए स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर मूल्य श्रृंखलाओं के लचीलेपन को बढ़ाना। बाज़ार की पारदर्शिता में सुधार, खाद्य बाज़ार की निगरानी के लिए विश्वसनीय जानकारी समय पर साझा करने और परिणामी नीति प्रतिक्रियाओं को आकार देने के लिए मिलकर काम करना। प्रासंगिक डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुसार, खुले, निष्पक्ष, पूर्वानुमानित और नियम-आधारित कृषि और खाद्य व्यापार को सुविधाजनक बनाना, निर्यात प्रतिबंधों से बचना और बाजार विकृतियों को कम करना।

सिद्धांत 5: एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण को बढ़ावा देना

रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को तेज करके और कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए ज़ूनोटिक रोगों और अन्य जैविक खतरों के जोखिम को रोकने, कम करने और प्रबंधित करके "एक स्वास्थ्य" दृष्टिकोण को लागू करना।

सिद्धांत 6: नवाचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग में तेजी लाना, स्केलेबल नवाचारों और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना

जो टिकाऊ खाद्य प्रणालियों की दिशा में परिवर्तन का समर्थन करते हैं, डिजिटल बुनियादी ढांचे तक किफायती और समावेशी पहुंच की सुविधा प्रदान करते हैं और विभिन्न आवश्यकताओं के अनुरूप डिजिटल उपकरणों के विकास और सुरक्षित अनुप्रयोग को बढ़ावा देते हैं। कृषि क्षेत्र में छोटे किसानों सहित सभी कृषक समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रौद्योगिकियों और डिजिटल समाधानों को अपनाने और उपयोग के लिए क्षमता निर्माण प्रयासों को मजबूत करना।

सिद्धांत 7: कृषि में जिम्मेदार सार्वजनिक और निजी निवेश को बढ़ाएं

टिकाऊ, जलवायु लचीला और स्मार्ट, उत्पादकता बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं के विकास, खाद्य प्रणालियों के विविधीकरण, प्रौद्योगिकी के प्रसार, ग्रामीण पुनरोद्धार और मूल्य श्रृंखला दक्षता में सुधार के सहयोग के लिए बुनियादी ढांचे, अनुसंधान और नवाचारों में सभी स्रोतों से जिम्मेदार निवेश को प्रोत्साहित करना । निजी निवेश का लाभ उठाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देना। निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करना और कृषि में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और पूरक व्यवसायों को विकसित करने के लिए वित्त तक पहुंच की सुविधा प्रदान करना।

ये उच्च स्तरीय सिद्धांत वैश्विक, क्षेत्रीय और स्थानीय के बीच संबंध बनाकर और मजबूत करके, एफएओ, आईएफएडी, डब्ल्यूएफपी और सीएफएस जैसे अन्य प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों और निकायों के सहयोग से खाद्य सुरक्षा और पोषण चुनौतियों का समाधान करने के लिए हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करने के लिए एक आधार प्रदान करते हैं। टिकाऊ और समावेशी खाद्य प्रणालियों के लिए राष्ट्रीय मार्ग विकसित करने और लागू करने का पहल किया जाना आवश्यक है।

झूलन निशित गोस्वामी

भारतीय क्रिकेटर झूलननिशीतगोस्वामी एक शानदार एथलीट हैं। उन्हें इतिहास की सर्वश्रेष्ठ और सबसे तेज़ महिला तेज़ गेंदबाज़ों में से एक माना जाता है। 2011 में, उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर के लिए एम.ए.चिदंबरम ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। अब उनके नाम महिला वनडे में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड है। 1992 के क्रिकेट विश्व कप से उन्हें क्रिकेट खेलने के लिए प्रोत्साहन मिला और परिणामस्वरूप, हमारे देश को एक महान रत्न प्राप्त हुआ